आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 46 | उज्जैन, सोमवार 06 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रदेश में चार लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए, जिनसे मिलेगा 3 लाख से अधिक व्यक्तियों को रोजगार

एक लाख युवाओं को मिलेगी सरकारी नौकरी, प्रदेश में नवीन 14 मेडिकल कॉलेज इसी वर्ष मुख्यमंत्री डॉ यादव

हिन्दकुश.इन उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में औद्योगिकरण के लिए इस वर्ष चार लाख करोड रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। निवेश से प्रदेश में 3 लाख से अधिक व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। राज्य शासन एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने जा रहा है। जिसके लिए विज्ञापन जारी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव उज्जैन जिले के बड़नगर में आम सभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा रविवार को बड़नगर में 40 करोड रुपए से अधिक लागत के नवनिर्मित सी एम राइस स्कूल भवन का लोकार्पण किया गया। साथ ही बड़नगर कृषि उपज मंडी परिसर में 4 करोड रुपए से अधिक लागत के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन एवं 3 करोड रुपए से अधिक लागत के 7 उप स्वास्थ्य केंद्रो का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला मंत्री श्री प्रहलाद जोशी, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, बडनगर विधायक श्री जितेंद्र पंड्या, श्री बहादुर सिंह बोरमुण्डला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति कमला कुंवर देवड़ा, श्री मुकेश पांडे, श्री सुकुमाल जैन, श्री शांतिलाल धबाई, आदि उपस्थित थे।

गजनी खेड़ा का नाम चामुण्डा माता, जहाँगीरपुर का नाम जगदीशपुर और मोलाना का नाम विक्रम नगर होगा मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में ग्रामों के नाम परिवर्तन की घोषणा की। उन्होनें अपने उद्बोधन मे कहा कि गजनी खेड़ी पंचायत का नाम अब चामुंडा माता के नाम से जाना जाएगा। इस गांव में विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव बना कर देने के निर्देश कलेक्टर को दिए। इसी प्रकार जहांगीरपुर अब जगदीशपुर तथा मौलाना गांव का नाम विक्रम नगर से परिवर्तित होगा। इसके अलावा देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री वाजपेई के द्वारा बड़नगर के स्कूल में शिक्षा प्राप्त की गई थी। अब इस सीएम राईज स्कूल का नाम अब भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्वती- चंबल-काली सिंध नदी जोड़ो योजना का लाभ बड़नगर को भी मिलेगा। शासन के औद्योगीकरण के प्रयासों से बड़नगर में भी बड़े औद्योगिक समूह द्वारा 3500 करोड रुपए की लागत से फैक्ट्री स्थापित जाएगी। मुख्यमंत्री ने बड़नगर में फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना शीघ्र करने की भी घोषणा की।

श्री कृष्ण पाथेय तीर्थों को जनमानस तक पहुँचाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं से संबंधित प्रदेश के उज्जैन सांदीपनि आश्रम, जानापाव, अमझेरा आदि स्थानों को तीर्थ क्षेत्र बनाया जा रहा है। इसी प्रकार उज्जैन के महिदपुर को भी भव्य तीर्थ का रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रदेश में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 70 हजार करोड रुपए की चंबल पार्वती काली सिंध नदी जोड़ो योजना का लाभ देपालपुर, बड़नगर, शिवपुरी, इंदौर, रतलाम, मंदसौर, देवास, गुना आदि जिलों एवं स्थानों को मिलेगा। औद्योगीकरण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में व्यापक औद्योगीकरण की दिशा में कार्य करते हुए प्रत्येक संभाग में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जा रही है। आगामी दिनों शहडोल में आयोजित की जाने वाली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 5 वर्षों में प्रदेश का बजट 7 लाख करोड़ का होगा। प्रदेश में लगातार नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं।

ब्रेन स्ट्रोक के चार में से केवल एक मरीज को ही मिल पाता है समय पर इलाज, भारत में उपचार को लेकर भी चिंताजनक हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार स्वास्थ्य सुविधा बेहतर करने के लिए पूरा प्रयास कर रही है, लेकिन अभी भी इस्केमिक स्ट्रोक या ब्रेन स्टोक के बाद भारत में चार में से केवल एक मरीज को समय पर इलाज मिल पाता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्ट्रोक में प्रकाशित शोध में यह दावा किया गया है। शोध में यह अनुमान भी लगाया गया है कि भारत में प्रति दस लाख आबादी पर एक से भी कम ब्रेन स्ट्रोक के इलाज वाले अस्पताल हैं।

रक्तवाहिका में थक्का जम जाता है- इस्केमिक स्ट्रोक में मस्तिष्क को पार्याप्त रक्त नहीं मिल पाता है। ऐसा तब होता है जब मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति करने वाली रक्तवाहिका में थक्का जम जाता है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित सितंबर 2024 के अध्ययन के अनुसार भारत में सभी स्ट्रोक का लगभग 70-80 प्रतिशत मामला इस्केमिक स्ट्रोक का होता है।

हाल ही में किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि देश के 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्ट्रोक का इलाज करने वाले 566 अस्पतालों में उपचार की इंट्रावेनस थ्राम्बोलाइसिस की सुविधा है।

घना कोहरा बन रहा काल, अलग-अलग हादसों में 9 लोगों की मौत; दर्जनों घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को घने कोहरे के कारण सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। वहीं बेहद कम दृश्यता होने की वजह से कई जगहों पर सड़क दुर्घटनाएं भी हुईं, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए। यह हादसे उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में हुए। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। हरियाणा की बात करें तो यहां तीन अलग-अलग स्थानों पर हादसे हुए।

घने कोहरे व तेज रफ्तार के कारण तीन सड़क हादसे- गुरुग्राम में कोहरे के कारण शनिवार तड़के तीन बजे वाटिका चौक अंडरपास में बाइक सवार युवक की मृत्यु अज्ञात वाहन की टक्कर से हो गई। मृत युवक की पहचान उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के ओपीएस नगर निवासी शुभम त्रिपाठी के रूप में की गई है। नूंह में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर घने कोहरे व तेज रफ्तार के कारण तीन सड़क हादसे हुए। इनमें एक व्यक्ति की जान चली गई और कई घायल हो गए।

सड़क हादसों में 14 वाहन भी बुरी तरह क्षतिगस्त- इन सड़क हादसों में 14 वाहन भी बुरी तरह क्षतिगस्त हो गए। सोनीपत में कोहरे के कारण एनएच-44 पर बीसवां मील के पास एक कार, ट्रक के नीचे घुस गई। हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार महिलाएं घायल हो गई। वहीं पंजाब में चार जगहों पर कोहरे के कारण हुए सड़क हादसों में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 40 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

किसान महापंचायत के बाद और बिगड़ी किसान नेता डल्लेवाल की तबीयत, दौड़ पड़ी डॉक्टरों की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 41 दिन से भूख हड़ताल कर रहे हैं। शनिवार को डल्लेवाल ने किसान महापंचायत बुलाई थी। पंजाब, हरियाणा और अन्य जगहों से बड़ी संख्या में किसान खनौरी बॉर्डर पर जमा हुआ। इस दौरान डल्लेवाल ने भी किसानों को संबोधित किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक संबोधन के बाद डल्लेवाल की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। वह सुस्त पड़ने लगे और उल्टियां होने लगीं। उनका ब्लड प्रेशर भी डाउन होने लगा। इसकी जानकारी जब पंजाब सरकार के अधिकारियों को लगी तो तुरंत वे डल्लेवाल से मिलने दौड़ पड़े। डॉक्टरों की टीम भी तुरंत उनके पास पहुंची और इलाज शुरू हो गया।

बता दें कि पंजाब सरकार के अधिकारी कई दिनों से कोशिश कर रहे हैं कि डल्लेवाल को अस्पताल में शिफ्ट करवाया जाए। हालांकि वह किसानों की मांगों को लेकर अडिग हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी पंजाब सरकार को डल्लेवाल को मनाने की डेडलाइन दी थी। पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से डेडलाइन बढ़ाने की मांग की है।

डल्लेवाल के बिगड़ते स्वास्थ्य की जानकारी मिलने के बाद डीआईजी नरेंद्र भार्गव अन्य अधिकारियों के साथ तुरंत खनौरी बॉर्डर पहुंचे। इसके अलावा चिकित्सकों की टीम को भी तैयार कर दिया गया था। बता दें कि शुक्रवार को डल्लेवाल ब्लड, यूरीन और ईसीजी टेस्ट करवाने को तैयार हो गए थे।

पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा, कोस्ट गार्ड का हेलीकॉप्टर क्रैश

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ है। भारतीय तटरक्षक बल का एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। नियमित ट्रेनिंग उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

दो पायलट समेत तीन की मौत- हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। आईसीजी अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार, हेलिकॉप्टर में दो पायलट समेत तीन लोग सवार थे। इस घटना में तीनों की मौत हो गई है।

किसानों के सिर पर बोझ नहीं आने देंगे, ग्रामीण भारत महोत्सव में बोले पीएम मोदी- गांव के विकास से बनेगा विकसित भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गांव के विकास से विकसित भारत का संकल्प जरूर साकार होगा। इसके लिए गांव के लोगों को गांव में ही ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देना होगा, ताकि गांव में वे खेती भी कर पाएं और गांव में ही रोजगार-स्वरोजगार के लिए नए मौके भी उपलब्ध हो सके।

उन्होंने कहा कि विभिन्न तरीकों से ग्रामीण आय को बढ़ाने पर काम करना होगा। गांव में सस्ती सिंचाई की व्यवस्था करनी होगी। प्राकृतिक खेती के अभियान से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ना होगा। सेल्फ हेल्फ ग्रुप्स को, लघु व सूक्ष्म उद्योगों को एमएसएमई से जोड़ना होगा। उनके सामान की ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए काम करना होगा। हमें अपने भौगोलिक संकेत (जीआई) वाले उत्पाद की गुणवत्ता, पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर भी ध्यान देना होगा।

गांव के विकास से राष्ट्र के विकास का मंत्र

शनिवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में नाबार्ड की तरफ से आयोजित ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम गांव के विकास से राष्ट्र के विकास के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। गांव में खेती के अलावे विभिन्न नए अवसर निकलेंगे तो उन्हें पलायन नहीं करना पड़ेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए गांव के हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए आर्थिक नीतियां बनाने की आवश्यकता है और सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि दूध के उत्पादन से किसानों को सबसे अधिक रिटर्न मिल रहा है। हमें अमूल के जैसे पांच-छह ऐसे कोऑपरेटिव बनाने के लिए काम करना होगा, जिनकी पहुंच पूरे भारत में हो। किसान उत्पाद संघ (एफपीओ) से किसानों को अपनी फसल के अच्छे दाम मिल रहे हैं। हमें ऐसे और एफपीओ के बारे में सोचना चाहिए, उस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

मोदी ने कहा कि पिछले 10 सालों से ग्रामीण इलाके में मूलभूत सुविधाओं के साथ ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर लगातार काम किया जा रहा है। उसी का नतीजा है कि आज गांव व शहरों के बीच खपत का अंतर काफी कम हो गया है। वर्ष 2011 की तुलना में ग्रामीण भारत के लोगों की खरीद शक्ति तीन गुना बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों ने ग्रामीणों की इन सभी आवश्यकताओं पर कभी ध्यान नहीं दिया। गांवों से पलायन होता रहा, गरीबी बढ़ती रही और गांव व शहरों के बीच भी खाई बढ़ती रही। सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा दिया जाता था। हमारी सरकार के प्रयास से 10 सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल आए हैं और इनमें सबसे बड़ी संख्या गांवों के लोगों की है।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का अलर्ट, 6 करोड़ लोग होंगे प्रभावित; कुछ राज्यों में इमरजेंसी घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। अमेरिकी नागरिक सर्दी का सितम झेल रहे हैं। इस बीच वहां के मौसम विभाग ने एक बड़ा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों में एक शक्तिशाली शीतकालीन तूफान को लेकर चेतावनी जारी की है। यह साल 2025 का पहला शीतकालीन तूफान होगा।

राष्ट्रीय मौसम सेवा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह तूफान अमेरिका के मध्य में शुरू होगा। इसका असर अमेरिका के 1,300 मील क्षेत्र में पड़ेगा, जहां पर भारी हिमपात, खतरनाक बर्फबारी, बारिश और भयंकर तूफान आने की संभावना। ये आने वाले दिनों में धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ेगा। आर्कटिक हवा की चपेट में आने से सोमवार तक अमेरिका के पूर्वी हिस्से में तापमान में कमी देखने को मिल सकती है।

60 मिलियन से अधिक लोग होंगे प्रभावित- इस तूफान का प्रभाव देश के करीब 60 मिलियन से अधिक लोगों पर देखने को मिल सकता है, जो इस तूफान से सीधे प्रभावित होंगे। सफेद तूफान को लेकर मौसम विभाग ने पहले ही अलर्ट कर दिया है। देश के उत्तर-पश्चिम में रॉकी माउंटेन स्थित मोंटाना, डेलावेयर, मैरीलैंड तथा वर्जीनिया के तटीय राज्यों में इस तूफान को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है।

ऐसा अनुमान है कि इस तूफान के कारण सड़कों पर बर्फ की मोटी परत जमा हो सकती है। इसी के साथ कुछ हिस्सों में बारिश के भी आसार हैं। कुछ हिस्सों में इस तूफान के कारण बिजली आपूर्ति ठप हो सकती है। इस वजह से मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

ठंड की चेतावनी

इस बर्फीले तूफान से पहले ही मौसम विभाग ने लोगों को अलर्ट रहने की सलाह दी है। इस तूफान के कारण लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो सकता है। वहीं, तापमान में भी भारी कमी दर्ज की जाएगी, जिस कारण ठंड का सामना करना पड़ेगा। वहां, के मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि कुछ इलाकों में तापमान -18 डिग्री तक दर्ज किया जा सकता है।

मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि कैनसस से लेकर मिसौरी और ओहियो तक रविवार और सोमवार के बीच 12 इंच तक बर्फबारी के संकेत हैं। कुछ इलाकों के लिए ये बर्फबारी एक दशक से अधिक समय की सबसे भारी बर्फबारी हो सकती है।

कुछ राज्यों में आपातकाल स्थिति घोषित

इस बर्फीले तूफान को देखते हुए अमेरिका के कई राज्यों में इमरजेंसी हालात घोषित कर दिए गए हैं। बदलते मौसम को देखते हुए मौसम विभाग ने जनता को मौसम के बारे में आगाह किया और सतर्क रहने की सलाह दी है।

उधर, गवर्नर एंडी बेशियर ने एक आपातकालीन बैठक में कहा कि नया तूफान संभवतः हमारी सड़कों पर महत्वपूर्ण व्यवधान और खतरनाक स्थिति पैदा करेगा और केंटुकी में वास्तव में ठंड बढ़ने से ठीक 24 घंटे पहले या उससे भी अधिक बिजली कटौती का कारण बन सकता है।

जॉर्ज सोरोस को मिला अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, बाइडन के फैसले पर भड़के एलन मस्क; बोले- ये हास्यास्पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर भारत में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तलवारें खिंची हुई हैं, उसे अमेरिका में सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इसका एलान किया।

जॉर्ज सोरोस के बेटे एलेक्स सोरोस ने यह मेडल स्वीकार किया। सोरोस के अलावा हिलेरी क्लिंटन समेत 19 लोगों के नाम का एलान किया गया था। वहीं बाइडन के फैसले पर अब एलन मस्क भड़क गए हैं। उन्होंने इसे हास्यास्पद करार दिया है।

सोरोस को मिला सम्मान- अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम कहते हैं। शनिवार को राष्ट्रपति बाइडन ने राजनीति, समाजसेवा, खेल और कला के क्षेत्र में योगदान देने वाले 19 लोगों को सम्मानित किया।

अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस ओपन सोसाइटी फाउंडेशन नामक संस्था चलाते हैं। व्हाइट हाउस के मुताबिक, उन्हें लोकतंत्र, मानवाधिकार, शिक्षा और सामाजिक न्याय को मजबूत करने वाली वैश्विक पहल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सम्मानित किया गया।

19 लोगों का था नाम- सर्वोच्च नागरिक सम्मान पाने वाले लोगों की सूची में जॉर्ज सोरोस के अलावा पूर्व सेक्रेटरी ऑफ स्टेट हिलेरी क्लिंटन, फुटबॉलर लियोनेल मेसी और एक्टर माइकल जे फॉक्स के साथ डेंजल वॉशिंगटन समेत 19 लोगों का नाम शामिल था।

जॉर्ज सोरोस को डेमोक्रेटिक पार्टी के एक बड़े डोनर के रूप में जाना जाता है। रिपब्लिकन नेता अक्सर उनकी आलोचना करते हैं। एलन मस्क और रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने बाइडन के इस फैसले को राजनीति के प्रेरित बताया है।

सबसे बड़े बांध को लेकर भारत ने जताया ऐतराज तो सफाई देने लगा चीन

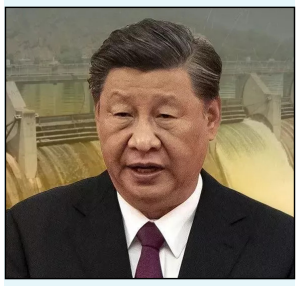

भारत और चीन के रिश्तों में एक बार फिर खटास आने लगी है। इसका कारण चीन द्वारा यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र) नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की घोषणा करना है। तिब्बत में बनने जा रहे इस हाइड्रोपावर डैम का भारत पर प्रतिकूल असर हो सकता है, जिसको लेकर विदेश मंत्रालय ने चिंता भी जताई है।

भारत के ऐतराज के बाद चीन ने भी सफाई दी है और कहा कि इससे किसी को कोई खतरा नहीं है।

भारत को क्या है चिंता- दरअसल, यारलुंग नदी तिब्बत से होकर चीन से बहती हुई भारत आती है। यहां इसे ब्रह्मपुत्र कहा जाता है। इसके बाद ये अरुणाचल और असम के रास्ते बांग्लादेश में जाती है। चीन तिब्बत से आ रही यारलुंग नदी के निचले हिस्से में अरुणाचल की सीमा के पास ये बांध बना रहा है। सबसे बड़ा डैम होने के चलते इसमें काफी बड़ी मात्रा में पानी स्टोर किया जा सकता है। अब जब डैम बन जाएगा तो नदी के पानी का बहाव कैसा हो ये चीन के हाथ में होगा। कम मात्रा में पानी छोड़ने पर भारत में पानी की कमी होगी और ज्यादा पानी छोड़ने से बाढ़ भी आ सकती है।

सूडान में अर्धसैनिक बल के जवानों ने नागरिकों पर बरसाई गोलियां, 8 लोगों की मौत और 53 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूडान की राजधानी खार्तूम और पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य के एल फशर शहर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) की तरफ से हमले किए गए। इन हमलों में कम से कम आठ नागरिक मारे गए और 53 अन्य घायल हो गए हैं। आरएसएफ मिलिशिया ने खार्तूम के उत्तर में ओमडुरमन शहर के इलाके और खार्तूम के पूर्व में शार्क अलनील (ईस्ट नाइल) इलाके में नागरिकों के खिलाफ गोलीबारी जारी रखी, इसमें 4 नागरिकों की मौत हो गई और 43 अन्य घायल हुए हैं।

खार्तूम राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में ये बात कही है। घायलों को इलाज के लिए ओमडुरमैन के अल-नो और अबू सीद अस्पताल और शार्क के एल बान जदीद अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि अलनील इलाके में शनिवार को सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) के 6 वें इन्फैंट्री डिवीजन ने एक बयान में कहा कि एल फशर में आवासीय पड़ोस पर आरएसएफ की तरफ से की गई गोलाबारी में चार नागरिक मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए।

अमेरिकी संसद में 6 भारतवंशियों ने ली सांसद पद की शपथ, समोसा कॉकस का क्यों होने लगा जिक्र?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय मूल के छह सांसदों ने शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। अमेरिका के संसद के निचले सदन में पहली बार छह भारतवंशी पहुंचे हैं। इनमें से चार हिंदू हैं।

जिन भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने शपथ ली, उनमें अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार और सुहास सुब्रमण्यम शामिल हैं।

समोसा कॉकस का हुआ जिक्र- इसको लेकर भारतीय-अमेरिकी सांसद अमी बेरा ने एक पोस्ट भी किया। अमी बेरा ने कहा, जब मैं 12 साल पहले पहली बार अमेरिकी संसद पहुंचा था, तो एकमात्र भारतीय अमेरिकी सदस्य था और अमेरिकी इतिहास में केवल तीसरा। अब हमारा गठबंधन छह सदस्यों वाला है। मैं आने वाले सालों में कांग्रेस सदन में और ज्यादा भारतीय अमेरिकियों का स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं। अमी बेरा के इस पोस्ट के बाद अमेरिकी राजनीति में समोसा कॉकस शब्द का जिक्र एक बार फिर होने लगा है। इससे पहले साल 2016 में भी इस शब्द की खूब चर्चा हुई थी। तब पहली बार 5 भारतवंशी अमेरिकी संसद में चुनकर आए थे, जिसमें हाउस ऑफ रिप्रेंजेटेटिव के सदस्य राजा कृष्णमूर्ति भी थे। कृष्णमूर्ति ने ही इस शब्द को गढ़ा था।

क्या है समोसा कॉकस- दरअसल, अमेरिकी संसद के अंदर भारतीय मूल के सांसदों और प्रतिनिधि समूह को समोसा कॉकस कहा गया है। इस बार 6 सांसद अमेरिकी के निचले सदन में है। समोसा भारतीय व्यंजन है और दुनियाभर में ये मशहूर है, इसलिए इसे भारतीय मूल के सांसदों से जोड़ा गया है।

ऑस्ट्रेलिया में हीटवेव का असर, जंगलों में आग लगने से विक्टोरिया राज्य तबाह; अधिकारी अलर्ट पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में जहां लोग सर्दी से ठिठुर रहे हैं, वहीं ऑस्ट्रेलिया का दक्षिण-पूर्व क्षेत्र तेज लू के कारण पसीना-पसीना हो गया है। इस वजह से जंगलों में आग लगने का खतरा बढ़ गया और अधिकारियों को विक्टोरिया राज्य के अधिक हिस्सों में आग पर प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

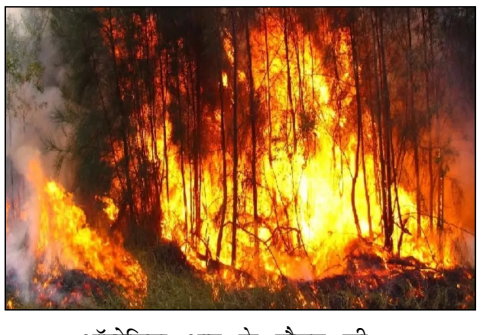

ऑस्ट्रेलिया आग के मौसम की चपेट में है, पिछले हफ्ते अग्निशामक एक बड़ी आग से जूझ रहे थे। आग विक्टोरिया के ग्रैम्पियंस नेशनल पार्क में लगी थी, जिसमें घर और खेत जलकर खाक हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया आग के मौसम की चपेट में है, पिछले हफ्ते अग्निशामक एक बड़ी आग से जूझ रहे थे। जो विक्टोरिया के ग्रैम्पियंस नेशनल पार्क में लगी थी, जिसमें घर और खेत जलकर खाक हो गए थे।

अधिक जिलों में आग की बढ़ोतरी- मौसम विज्ञान ब्यूरो की अधिकारी मिरियम ब्रैडबरी ने इसको लेकर बयान दिया है।

रविवार को विक्टोरिया में तापमान चरम पर होगा। ब्रैडबरी ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प को बताया, आग के खतरों का मतलब यह है कि हम और अधिक जिलों में आग में बढ़ोतरी देख रहे हैं।

इन राज्यों में लू की चेतावनी- वहीं मौसम विज्ञानिक ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया, न्यू साउथ वेल्स और तस्मानिया राज्यों में भी रविवार को लू की चेतावनी दी गई थी।

अब समय आ गया..., हमास ने जारी किया इजरायली बंधक का वीडियो; बेटी को देख छलका परिवार का दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमास के सशस्त्र विंग ईज्जेदीन अल-कसाम ब्रिगेड्स ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें अक्टूबर 2023 के हमले में गाजा में बंदी बनाई गई इजरायली सैनिक लिरी अलबैग को दिखाया गया है। तीन मिनट और 30 सेकंड के इस वीडियो में 19 साल की लिरी अलबैग हिब्रू में इजरायली सरकार से अपनी रिहाई की अपील कर रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ये वीडियो किस तारीख का है, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है और अभी इसकी सत्यता की पुष्टि नहीं हो सकी है। होस्टेज और मिसिंग फैमिलीज फोरम ने अपने एक बयान में बताया कि लिरी के परिवार ने इस वीडियो को पब्लिश करने की इजाजत नहीं दी है।

परिवार ने की अपील- परिवार ने एक बयान में कहा, हम प्रधान मंत्री, विश्व नेताओं और सभी निर्णय निर्माताओं से अपील करते हैं। यह निर्णय लेने का समय है जैसे कि यह आपके अपने बच्चे हों। अल्बाग 18 साल की थीं, जब उन्हें छह अन्य महिला सिपाहियों के साथ गाजा सीमा पर नाहल ओज बेस पर फलस्तीनी आतंकवादियों ने पकड़ लिया था, जिनमें से पांच अभी भी कैद में हैं।

हमास और उसके सहयोगी इस्लामिक जिहाद ने गाजा में लगभग 15 महीने की लड़ाई के दौरान अपनी हिरासत में रहे इजरायली बंधकों के कई वीडियो जारी किए हैं।

कुमारस्वामी के आरोपों पर सिद्धारमैया ने किया पलटवार, बोले- सबूत भी दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के भ्रष्टाचार से जुड़े आरोपों पर अब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का जवाब आ गया है। सिद्धारमैया ने कहा है कि वह कुमारस्वामी को चैलेंज करते हैं कि वह आरोपों को सबूत के साथ साबित करके दिखाएं।

सिद्धारमैया ने कहा कि कोई भी आरोप डॉक्यूमेंट और सबूत के बिना नहीं लगाया जाना चाहिए। एक सवाल के जवाब में सिद्धारमैया ने कहा, उन्हें साबित करने दीजिए। उन्हें कहिए कि वह साबित करें कि भ्रष्टाचार हो रहा था और 60 फीसदी कमीशन लिया जा रहा है। केवल आरोप न लगाए बल्कि उसे साबित भी करें।

कुमारस्वामी ने लगाए थे आरोप- सिद्धारमैया ने कहा कि विपक्ष का काम केवल आरोप लगाना नहीं है, बल्कि उसे सबूतों के साथ साबित करना भी है। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले मैसूर में पत्रकारों से बातचीत में कुमारस्वामी ने सिद्धारमैया की सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और कमीशनखोरी के आरोप लगाए थे।

कुमारस्वामी ने यह भी कहा था कि सरकार के मंत्री भी इस भ्रष्टाचार में शामिल हैं। उन्होंने कहा था, ठेकेदार जो कांग्रेस को सपोर्ट करते हैं, वह खुद कहते हैं कि कमीशन 60 फीसदी से ज्यादा हो गया है। ये लूट पीडब्ल्यूडी और सिंचाई विभाग में हो रही है। न सिर्फ कॉन्ट्रैक्ट लेने, बल्कि घरों के अलॉटमेंट में भी पैसे दिए जा रहे हैं। कुमारस्वामी ने कहा था कि सिद्धारमैया को अपने अंतरआत्मा की आवाज सुननी चाहिए। उनके आस-पास के लोग भी राज्य और जनता के संसाधनों को लूटने में व्यस्त हैं। उनके इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

मार्च में पेश होगा बजट- सिद्धारमैया ने बजट के सवालों पर कहा कि मार्च के महीने में बजट पेश किया जाएगा। इसके लिए प्री-बजट कंसल्टेशन मीटिंग बुलाई जाएगी। आपको बता दें कि सिद्धारमैया के पास वित्त मंत्रालय भी है।

कम आय वाले देशों में बढ़ेगी महंगाई, तीन गुना तक बढ़ जाएंगी उपभोक्ता कीमतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन के खतरों को कम करने के लिए लागू की जा रहीं नीतियों की वजह भविष्य में लोगों को महंगाई के मोर्चे पर और अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

एक अध्ययन में पाया गया है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नीतियों के बावजूद 2050 तक कम आय वाले देशों में उपभोक्ता कीमतें तीन गुना तक बढ़ सकती हैं। साथ ही उत्पादक कीमतों में भी इतना ही इजाफा हो सकता है। हालांकि जलवायु परिवर्तन पर नीतियां लंबी अवधि में कृषि को सुरक्षित रखने में मददगार साबित होंगी।

पोषण से युक्त भोजना खरीदना मुश्किल हो जाएगा- जर्मनी के पाट्सडैम इंस्टीट्यूट फार क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च (पीआइके) के शोधकर्ताओं ने कहा कि कम आय वाले देशों में उपभोक्ता कीमतों में बढ़ोतरी से किसान कम प्रभावित होंगे, लेकिन फिर भी इन देशों में लोगों के लिए पर्याप्त और पोषण से युक्त भोजना खरीदना मुश्किल हो जाएगा।

पीआइके के वैज्ञानिक और नेचर फूड में प्रकाशित अध्ययन के प्रमुख लेखक डेविड मेंग-चुएन चेन ने कहा कि अमेरिका या जर्मनी जैसे उच्च आय वाले देशों में किसानों को खाने पर खर्च का एक चौथाई से भी कम मिलता है, जबकि उप-सहारा अफ्रीका में यह 70 प्रतिशत से अधिक है।

सावरकर का संघर्ष-बलिदान कुछ लोगों को रास नहीं आया, भाजपा महासचिव बोले- आजादी को लेकर गढ़ी गई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष ने शनिवार को आरोप लगाया कि देश में एक ऐसी कहानी गढ़ी गई है कि भारत को कुछ खास लोगों और आंदोलन की वजह से आजादी मिली। उन्होंने लोगों से भावी पीढ़ियों को दूरदर्शी वीर सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और विरासत को सौंपने की अपील की।

उन्होंने दावा किया कि एक राजनीतिक पारिस्थितिकी तंत्र ने तीन या चार पीढ़ियों के लोगों को यह विश्वास दिला दिया है कि सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल और स्वामी विवेकानंद जैसे नेता मौजूद ही नहीं थे।

वीर सावरकर पर एक किताब लिखनी पड़ी- तमिलनाडु भाजपा सचिव एसजी सूर्या द्वारा यहां एक समारोह में सावरकर के जीवन पर लिखी गई एक किताब का विमोचन करने के बाद संतोष ने कहा, यह एक विडंबना है कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को चित्रित करने के लिए वीर सावरकर पर एक किताब लिखनी पड़ी।

संतोष ने आरोप लगाया कि सावरकर का संघर्ष, समर्पण और बलिदान कुछ लोगों को रास नहीं आया जो स्वतंत्रता संग्राम के मुद्दे पर गोलमेज सम्मेलनों और अंग्रेजों के साथ बातचीत को तरजीह दे रहे थे।

सड़क से लेकर आसमान तक कोहरे की मार, तीन दिन में देरी से उड़ीं 800 से ज्यादा फ्लाइट; रेंग कर चली ट्रेनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत समेत पहाड़ी इलाकों में कोहरे के चलते जनजीवन खासा प्रभावित है। खराब मौसम के कारण सैकड़ों ट्रेनें और फ्लाइट देरी से चल रही है। यहां तक की कुछ फ्लाइट्स को तो रद भी कर दिया गया है। आज भी दिल्ली एयरपोर्ट पर 100 से अधिक उड़ानें देरी से चल रही हैं।

तीन दिनों में कई उड़ाने प्रभावित- समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, दिल्ली एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी भी फ्लाइट का मार्ग परिवर्तित या रद्द नहीं किया गया है। घने कोहरे के कारण कम दृश्यता की स्थिति के कारण पिछले तीन दिनों से उड़ानों का परिचालन प्रभावित हो रहा है। हालांकि, उड़ान संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है।

कितनी फ्लाइट और ट्रेनें हुईं प्रभावित- शुक्रवार को 200 से ज्यादा फ्लाइट देरी से चली हैं वहीं कई ट्रेनें भी रद की गईं।

शनिवार को 45 फ्लाइट रद की गई तो 19 को डाइवर्ट किया गया। 500 उड़ानें लेट हुए। वहीं, 165 ट्रेनों का टाइम बदला गया। इंडिगो की कई उड़ाने प्रभावित- इंडिगो ने भी एक पोस्ट में बताया कि खराब मौसम के चलते दिल्ली, अमृतसर, चंडीगढ़, कोलकाता और लखनऊ से आने-जाने वाली उड़ानें देरी से चल रही हैं। यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताते हुए एयरलाइन ने उनसे वैकल्पिक उड़ान विकल्पों की तलाश करने के लिए अपनी वेबसाइट या ऐप पर जाने का अनुरोध भी किया।

श्रीनगर से 10 उड़ानें रद- कोहरे के कारण आज श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दस उड़ानें रद कर दी गईं। एक अधिकारी ने बताया कि सुबह विजिबिलिटी केवल 50 मीटर थी, इसके चलते उड़ानें प्रभावित हुईं। सभी एयरलाइनों ने सुबह 10 बजे के बाद अपनी उड़ानें स्थगित कर दीं।

अधिकारी ने बताया कि विजिबिलिटी में मामूली सुधार के साथ अब तक 10 उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। शनिवार को भी घने कोहरे के कारण हवाई अड्डे पर परिचालन प्रभावित हुआ, जिससे उड़ानों में देरी हुई और

प्रेमिका और बच्चों की हत्या कर 19 साल तक फरार रहा पूर्व सैनिक, अचानक सीबीआई को मिली टिप; पकड़ने पहुंचे तो रह गए दंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के दो पूर्व सैनिकों ने एक युवती और 17 दिन के जुड़वा बच्चों की हत्या कर दी। इसके बाद दोनों करीब 19 साल तक फरार रहे। केस पहले पुलिस के पास रहा, फिर सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया।

सेना ने भी दोनों को भगोड़ा घोषित कर दिया था। लेकिन उनकी कहीं से भी खोज-खबर नहीं मिल रही थी। अचानक सीबीआई को एक टिप मिली। इसके मुताबिक, दोनों पहचान बदलकर पुडुचेरी में रह रहे थे। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

2006 का है मामला- केरल के कोल्लम जिले के येरम में रहने वाली एक 24 वर्षीय युवती रजनी को पास के ही अंचल के निवासी दिबिल कुमार बी से प्यार हो गया था। दिबिल कुमार भारतीय सेना की 45 एडी रेजिमेंट्स में था और पठानकोट में तैनात था।

दोनों के बीच संबंध बने और रजनी गर्भवती हो गई। 24 जनवरी 2006 को रजनी ने जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया। इसके बाद से ही दिबिल ने उससे दूरियां बनानी शुरू कर दीं। इसके बाद रजनी की मां ने केरल राज्य महिला आयोग में अपील की।

दोस्त भी हुआ शामिल- महिला आयोग ने मामले में पैटरनिटी टेस्ट का आदेश दिया। इसके बाद दिबिल कुमार आगबबूला हो गया। उसने हत्या की साजिश रचनी शुरू कर दी। दिबिल का दोस्त राजेश भी उसकी बटालियन में था। उसकी युवती और उसकी मां से भी जान-पहचान थी।

उसके पहले तो रजनी और उसकी मां से कहा कि वह दिबिल कुमार को समझाएगा कि वह रजनी से शादी कर ले। लेकिन बाद में वह खुद ही दिबिल की साजिश का हिस्सा बन गया। इसके बाद 10 फरवरी 2006 को दोनों ने मिलकर रजनी और उसकी दोनों बेटियों की हत्या कर दी।

हत्या के बाद दोनों फरार- रजनी की मां उस वक्त पंचायत ऑफिस में दोनों जुड़वा बच्चियों का बर्थ सर्टिफिकेट लेने के लिए गई हुई थी। जब वह वापस लौटी, तो घर में लाश पड़ी देखकर उसकी चीख निकल गई।

समय पर अपडेट देते रहें, चीन में फैले HMPV वायरस को लेकर भारत ने की WHO से मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में सांस की बीमारियों के लगातार बढ़ते मामलों ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। कोरोना के बाद चीन में पैदा हुई इस बीमारी पर अब भारत पहले से ज्यादा सतर्क है। भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से चीन की स्थिति के बारे में समय पर जानकारी साझा करने के लिए कहा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, शनिवार को स्वास्थ्य सेवाओं के डीजी की अध्यक्षता में एक जॉइंट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक की गई, जिसमें चीन की ताजा स्थिति को समझने और उसके खिलाफ तैयारी की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

विशेषज्ञों की बुलाई गई मीटिंग- इस मीटिंग में विश्व स्वास्थ्य संगठन, डिजास्टर मैनेजमेंट सेल, इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और एम्स समेत कई बड़े अस्पतालों को एक्सपर्ट शामिल थे।

विशेषज्ञों ने इस बात पर सहमति जाहिर की कि मौजूदा फ्लू के मौसम को देखते हुए सांस संबंधी बीमारी के केस तेजी से बढ़ना असामान्य नहीं हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इसकी वजह इंफ्लुएंजा वायरस, आरएसवी और एचएमपीवी हो सकते हैं, जो इस मौसम में तेजी से फैलते हैं।

चीन की स्थिति पर सरकार की नजर- स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत समेत पूरी दुनिया में इस वक्त ऐसे वायरल संक्रमण फैला रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सरकार सभी माध्यमों से स्थिति पर नजर बनाए हुए है और विश्व स्वास्थ्य संगठन से चीन के हालात पर समय से जानकारी साझा करने का निवेदन किया गया है।

आपको बता दें कि हाल ही में सोशल मीडिया पर चीन के अस्पतालों के कई वीडियो सामने आए थे, जिसमें मरीजों की लंबी कतार देखी गई थी। इसमें दावा किया गया था कि यह हालात चीन में एचएमपीवी द्वारा जनित संक्रमण के अचानक फैलने के कारण पैदा हुए हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

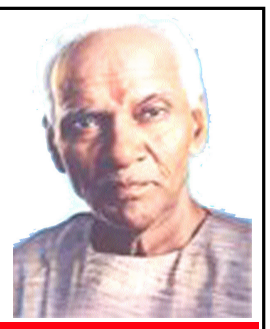

विक्रम संवत 2079 पौष शुक्ल सप्तमी

संपादकीय

पर्यावरण संरक्षण विशेषज्ञों की मांग दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही है...

जिस तरह से जनसंख्या तेजी से बढ़ती जा रही है, उसी तेजी से जंगलों में पेड़ों की कटाई भी की जा रही है। इसका नतीजा पर्यावरण प्रदूषण में बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिल रहा है। प्रदूषण के कारण स्कूलों और दफ्तरों के बंद होने, आउटडोर स्पोर्ट्स और एक्टिविटी पर रोक, निर्माण कार्यों और भारी वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगाने जैसी चीजें अब आम होने लगी हैं। इसी के चलते ग्लोबल वार्मिंग भी बढ़ रही है।

अर्थव्यवस्था को नुकसान से बचाते हुए प्रदूषण के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए पर्यावरण संरक्षण विशेषज्ञों की मांग दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही है। एक रपट के मुताबिक, प्रदूषण के कारण भारत को सालाना नौ हजार अरब रुपए का नुकसान होता है जो देश की जीडीपी का लगभग 3.5 फीसद है। हालांकि देश में यूजी स्तर पर कम संस्थानों में कोर्स उपलब्ध होने के कारण थोड़ी परेशानी होती है, लेकिन बेहतर नौकरी के लिए ऊंची डिग्री जरूरी होती है।

विशेषज्ञों के कई विकल्प

पर्यावरण विज्ञान का संबंध पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारकों और जीवित प्राणियों की पर्यावरण पर निर्भरता से है। इसमें पर्यावरण परिवर्तन, जैव विविधता, अलग-अलग तरह के प्रदूषण और पर्यावरण पर इनके प्रभाव आदि के बारे में बताया जाता है। इसका क्षेत्र काफी व्यापक है और इसे अलग-अलग शाखाओं में बांटा गया है। पर्यावरण रसायन विज्ञान वातावरण में स्रोतों, प्रतिक्रियाओं, परिवहन, प्रभाव, और रसायनों की चेतावनी और इन पर मानव और जैविक गतिविधियों के प्रभाव को परिभाषित करने का अध्ययन है। जियो साइंस पृथ्वी की संरचनाओं और वायुमंडलीय विज्ञान पृथ्वी के वायुमंडल और इसकी विभिन्न आंतरिक कार्यशील भौतिक प्रक्रियाओं का अध्ययन है। पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान स्थलीय, वायु, जलीय, समुद्री और अलौकिक वातावरण में सूक्ष्मजीवों के कार्य, संरचना और अंतःक्रिया का अध्ययन है। जबकि परिवेशीय आंकलन पर्यावरणीय मूल्यांकन को एक परियोजना के पर्यावरणीय प्रभावों की तीव्रता और महत्व का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है।

जरूरी योग्यता

भौतिकी, रसायन और बायोलाजी के साथ बारहवीं कर चुके छात्र पर्यावरण विज्ञान के स्नातक डिग्री कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं, लेकिन यूजी कोर्स देश के कुछ संस्थानों में ही मौजूद हैं। अधिकतर संस्थानों में प्रवेश जेईई या संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षा के जरिए मिलता है। एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए साइंस स्ट्रीम में ग्रेजुएशन कर चुके छात्र आवेदन कर सकते हैं। कई सरकारी और निजी संस्थानों से इसका पीजी डिप्लोमा कोर्स भी किया जा सकता है।

बेहतर करिअर के लिए उच्च डिग्री जरूरी

पर्यावरण विज्ञान रिसर्च आधारित स्ट्रीम है और इसमें बेहतर करिअर के लिए उच्च डिग्री जरूरी मानी जाती है। मास्टर डिग्री या पीएचडी कर चुके छात्रों के लिए नौकरी के अवसर ज्यादा होते हैं। उन्हें ज्यादा पैकेज मिलता है और करियर में आगे बढ़ने की संभावनाएं भी ज्यादा होती हैं।

वेतन

यूजी कोर्स करने के बाद निजी क्षेत्र में एंट्री लेवल पर छात्रों का शुरुआती पैकेज दो से तीन लाख रुपए सालाना तक होता है। मास्टर डिग्री ले चुके छात्रों को तीन से चार लाख रुपए सालाना पैकेज पर नियुक्त किया जाता है। शीर्ष संस्थानों से कोर्स करने वाले छात्रों को पांच से छह लाख रुपए सालाना तक का पैकेज मिल सकता है।

गुरु गोबिन्द सिंह

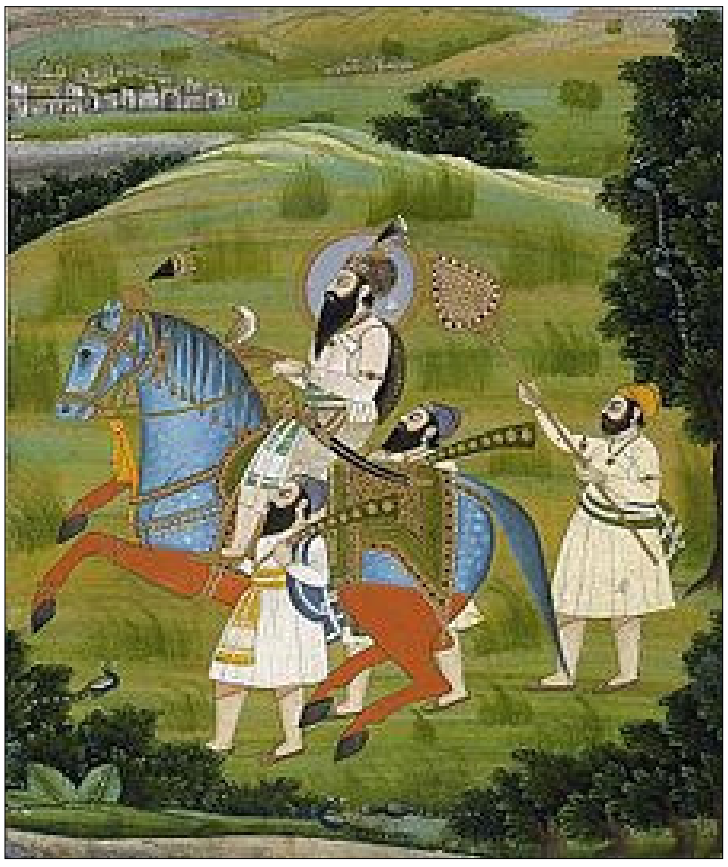

गुरु गोबिन्द सिंह सिखों के दसवें और अंतिम गुरु थे। श्री गुरू तेग बहादुर जी के बलिदान के उपरान्त 11 नवम्बर सन् 1675 को 10 वें गुरू बने। आप एक महान योद्धा, चिन्तक, कवि, भक्त एवं आध्यात्मिक नेता थे। सन् 1699 में बैसाखी के दिन उन्होंने खालसा पंथ (पन्थ) की स्थापना की जो सिखों के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण दिन माना जाता है।

गुरु गोबिन्द सिंह ने पवित्र (ग्रन्थ) गुरु ग्रंथ साहिब को पूरा किया तथा उन्हें गुरु रूप में प्रतिष्ठित किया। बचित्तर नाटक उनकी आत्मकथा है। यही उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह दसम ग्रन्थ का एक भाग है। दसम ग्रन्थ (ग्रन्थ), गुरु गोबिन्द सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है।

उन्होने अन्याय, अत्याचार और पापों को खत्म करने के लिए और धर्म की रक्षा के लिए मुगलों के साथ 14 युद्ध लड़े। धर्म की रक्षा के लिए समस्त परिवार का बलिदान किया, जिसके लिए उन्हें सरबंसदानी (पूरे परिवार का दानी) भी कहा जाता है। इसके अतिरिक्त जनसाधारण में वे कलगीधर, दशमेश, बाजांवाले, आदि कई नाम, उपनाम व उपाधियों से भी जाने जाते हैं।

विश्व की बलिदानी परम्परा में अद्वितीय होने के साथ-आथ गुरु गोविन्द सिंह एक महान लेखक, मौलिक चिन्तक तथा संस्कृत सहित कई भाषाओं के ज्ञाता भी थे। उन्होंने स्वयं कई ग्रन्थों की रचना की। वे विद्वानों के संरक्षक थे। 52 कवि और साहित्य-मर्मज्ञ उनके दरबार की शोभा बढ़ाते थे। वे भक्ति तथा शक्ति के अद्वितीय संगम थे। इसीलिए उन्हें संत सिपाही भी कहा जाता है।

उन्होंने सदा प्रेम, सदाचार और भाईचारे का सन्देश दिया। किसी ने गुरुजी का अहित करने की कोशिश भी की तो उन्होंने अपनी सहनशीलता, मधुरता, सौम्यता से उसे परास्त कर दिया। गुरुजी की मान्यता थी कि मनुष्य को किसी को डराना भी नहीं चाहिए और न किसी से डरना चाहिए। वे अपनी वाणी में उपदेश देते हैं भै काहू को देत नहि, नहि भय मानत आन। वे बाल्यकाल से ही सरल, सहज, भक्ति-भाव वाले कर्मयोगी थे। उनकी वाणी में मधुरता, सादगी, सौजन्यता एवं वैराग्य की भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनके जीवन का प्रथम दर्शन ही था कि ÷धर्म का मार्ग सत्य का मार्ग है और सत्य की सदैव विजय होती है।

गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म

गुरु गोविन्द सिंह का जन्म 22 दिसम्बर 1666 को पटना में नौवें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी और माता गुजरी के घर हुआ था। उनके जन्म के समय पिता श्री गुरु तेग बहादुर जी असम में धर्म उपदेश के लिये गये थे। उनके बचपन का नाम गोविन्द राय था। पटना में जिस घर में उनका जन्म हुआ था और जिसमें उन्होने अपने प्रथम चार वर्ष बिताये , वहीं पर अब तखत श्री हरिमंदर जी पटना साहिब स्थित है।

1670 में उनका परिवार फिर पंजाब आ गया। मार्च 1672 में उनका परिवार हिमालय के शिवालिक पहाड़ियों में स्थित चक्क नानकी नामक स्थान पर आ गया। चक्क नानकी ही आजकल आनन्दपुर साहिब कहलता है। यहीं पर इनकी शिक्षा आरम्भ हुई। उन्होंने फारसी, संस्कृत की शिक्षा ली और एक योद्धा बनने के लिए सैन्य कौशल सीखा। गोविन्द राय जी नित्य प्रति आनदपुर साहब में आध्यात्मिक आनन्द बाँटते, मानव मात्र में नैतिकता, निडरता तथा आध्यात्मिक जागृति का सन्देश देते थे। आनन्दपुर वस्तुतः आनन्दधाम ही था। यहाँ पर सभी लोग वर्ण, रंग, जाति, सम्प्रदाय के भेदभाव के बिना समता, समानता एवं समरसता का अलौकिक ज्ञान प्राप्त करते थे। गोविन्द जी शान्ति, क्षमा, सहनशीलता की मूर्ति थे।

काश्मीरी पण्डितों का जबरन धर्म परिवर्तन करके मुसलमान बनाये जाने के विरुद्ध फरियाद लेकर गुरु तेग बहादुर जी के दरबार में आये और कहा कि हमारे सामने ये शर्त रखी गयी है कि है कोई ऐसा महापुरुष? जो इस्लाम स्वीकार नहीं कर अपना बलिदान दे सके तो आप सब का भी धर्म परिवर्तन नहीं किया जाएगा उस समय गुरु गोबिन्द सिंह जी नौ साल के थे। उन्होंने पिता गुरु तेग बहादुर जी से कहा आपसे बड़ा महापुरुष और कौन हो सकता है! कश्मीरी पण्डितों की फरियाद सुन उन्हें जबरन धर्म परिवर्तन से बचाने के लिए स्वयं इस्लाम न स्वीकारने के कारण 11 नवम्बर 1675 को औरंगज़ेब ने दिल्ली के चांदनी चौक में सार्वजनिक रूप से उनके पिता गुरु तेग बहादुर का सिर कटवा दिया। इसके पश्चात वैशाखी के दिन 29 मार्च 1676 को गोविन्द सिंह सिखों के दसवें गुरु घोषित हुए।

10वें गुरु बनने के बाद भी उनकी शिक्षा जारी रही। शिक्षा के अन्तर्गत उन्होनें लिखना-पढ़ना, घुड़सवारी तथा सैन्य कौशल सीखे 1684 में उन्होने चण्डी दी वार की रचना की। 1685 तक वह यमुना नदी के किनारे पाओंटा नामक स्थान पर रहे।

गुरु गोबिन्द सिंह की तीन पत्नियाँ थीं। 21 जून, 1677 को 10 साल की उम्र में उनका विवाह माता जीतो के साथ आनन्दपुर से 10 किलोमीटर दूर बसंतगढ़ में किया गया। उन दोनों के 3 पुत्र हुए जिनके नाम थे ङ्क जुझार सिंह, जोरावर सिंह, फ़तेह सिंह। 4 अप्रैल, 1684 को 17 वर्ष की आयु में उनका दूसरा विवाह माता सुन्दरी के साथ आनन्दपुर में हुआ। उनका एक बेटा हुआ जिसका नाम था अजित सिंह। 15 अप्रैल, 1700 को 33 वर्ष की आयु में उन्होंने माता साहिब देवन से विवाह किया। वैसे तो उनका कोई सन्तान नहीं था पर सिख पन्थ के पन्नों पर उनका दौर भी बहुत प्रभावशाली रहा।

आनन्दपुर साहिब को छोड़कर जाना और वापस आना

अप्रैल 1685 में, सिरमौर के राजा मत प्रकाश के निमंत्रण पर गुरू गोबिंद सिंह ने अपने निवास को सिरमौर राज्य के पांओंटा शहर में स्थानांतरित कर दिया। सिरमौर राज्य के गजट के अनुसार, राजा भीम चंद के साथ मतभेद के कारण गुरु जी को आनंदपुर साहिब छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था और वे वहाँ से टोका शहर चले गये। मत प्रकाश ने गुरु जी को टोका से सिरमौर की राजधानी नाहन के लिए आमंत्रित किया। नाहन से वह पांवटा के लिए रवाना हुऐ7 मत प्रकाश ने गढ़वाल के राजा फतेह शाह के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से गुरु जी को अपने राज्य में आमंत्रित किया था। राजा मत प्रकाश के अनुरोध पर गुरु जी ने पांवटा में बहुत कम समय में उनके अनुयायियों की मदद से एक किले का निर्माण करवाया। गुरु जी पांवटा में लगभग तीन साल के लिए रहे और कई ग्रंथों की रचना की।

सन 1687 में नादौन की लड़ाई में, गुरु गोबिंद सिंह, भीम चंद, और अन्य मित्र देशों की पहाड़ी राजाओं की सेनाओं ने अलिफ़ खान और उनके सहयोगियों की सेनाओ को हरा दिया था। विचित्र नाटक (गुरु गोबिंद सिंह द्वारा रचित आत्मकथा) और भट्ट वाहिस के अनुसार, नादौन पर बने व्यास नदी के तट पर गुरु गोबिंद सिंह आठ दिनों तक रहे और विभिन्न महत्वपूर्ण सैन्य प्रमुखों का दौरा किया।

भंगानी के युद्ध के कुछ दिन बाद, रानी चंपा (बिलासपुर की विधवा रानी) ने गुरु जी से आनंदपुर साहिब (या चक नानकी जो उस समय कहा जाता था) वापस लौटने का अनुरोध किया जिसे गुरु जी ने स्वीकार किया। वह नवंबर 1688 में वापस आनंदपुर साहिब पहुंच गये।

1695 में, दिलावर खान (लाहौर का मुगल मुख्य) ने अपने बेटे हुसैन खान को आनंदपुर साहिब पर हमला करने के लिए भेजा। मुगल सेना हार गई और हुसैन खान मारा गया। हुसैन की मृत्यु के बाद, दिलावर खान ने अपने आदमियों जुझार हाडा और चंदेल राय को शिवालिक भेज दिया। हालांकि, वे जसवाल के गज सिंह से हार गए थे।

पहाड़ी क्षेत्र में इस तरह के घटनाक्रम मुगल सम्राट औरंगज़ेब लिए चिंता का कारण बन गए और उसने क्षेत्र में मुगल अधिकार बहाल करने के लिए सेना को अपने बेटे के साथ भेजा।

3 दिन में 4285 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री, एफपीआई लगातार घरेलू बाजार से निकाल रहे हैं पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों से पहले आशंकाओं और घरेलू शेयरों के हाई वैल्यूएशन के कारण इस महीने के पहले तीन कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजारों से 4,285 करोड़ रुपये निकाले हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पहले पूरे दिसंबर माह में एफपीआई ने शेयरों में 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था। वैश्विक और घरेलू चुनौतियों के बीच एफपीआई की धारणा में बदलाव आया है।

क्या बोल रहे हैं एक्सपर्ट- जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''जबतक डॉलर मजबूत रहेगा और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल आकर्षक रहेगा, तबतक एफपीआई की बिकवाली जारी रहने की संभावना है। डॉलर इंडेक्स इस समय 109 के आसपास है और 10 साल के बॉन्ड पर प्रतिफल 4.5 प्रतिशत से अधिक है। इस वजह से एफपीआई निकासी कर रहे हैं।'' आंकड़ों के अनुसार, एक से तीन जनवरी के दौरान एफपीआई ने 4,285 करोड़ रुपये के शेयर बेचे है। विदेशी निवेशकों के बीच अनिश्चितता का पता मौजूदा निकासी के रुख से चलता है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर- एमडी रिसर्च हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''विदेशी निवेशकों ने कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों से पहले सतर्क रुख अपनाया है। इसके अलावा अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संभावित नीतियों और वैश्विक बाजारों पर उनके प्रभाव की वजह से भी निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं।''

किस बात का पड़ रहा है असर?

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट ने एफपीआई की धारणा को और कमजोर कर दिया है, क्योंकि मुद्रा जोखिम ने भारतीय निवेश को कम आकर्षक बना दिया है। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा इस साल ब्याज दरों में कम कटौती के संकेत भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में विफल रहे हैं। घरेलू मोर्चे पर बात की जाए, तो एफपीआई मुख्य रूप से ऊंचे मूल्यांकन की वजह से बिकवाली कर रहे हैं।

78 तक जा सकता है इस बैंक का शेयर, बिजनेस में हुआ है तगड़ा ग्रोथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राइवेट सेक्टर के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने दिसंबर तिमाही के बिजनेस अपडेट जारी किए हैं। इस अपडेट के बाद शुक्रवार को बैंक के शेयर की कीमत में जोरदार खरीदारी देखी गई। एक्सपर्ट का अनुमान है कि सोमवार को एक बार फिर शेयर में तेजी देखने को मिल सकती है।

शेयर का हाल- बीते शुक्रवार को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर में तेजी आई और भाव 65.80 रुपये तक पहुंच गया। यह गुरुवार के 64.68 रुपये प्रति शेयर के बंद भाव से लगभग 1.25 प्रतिशत अधिक है। शुक्रवार को शेयर 65.18 रुपये पर बंद हुआ। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर में 0.74% की तेजी थी। जनवरी 2024 में शेयर 89.60 रुपये पर था, जो 52 हफ्ते का हाई है। शेयर बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त होने वाली तीसरी तिमाही के लिए अपने व्यावसायिक अपडेट में मजबूत वित्तीय वृद्धि की सूचना दी। बैंक ने दिसंबर तिमाही में लगभग 25 प्रतिशत की YoY वृद्धि की सूचना दी। वहीं, लोन और एडवांस में 21.9 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हुई। अब बैंक के शेयर सोमवार को फोकस में रहेंगे।

बैंक के दिसंबर तिमाही के अपडेट पर बोलते हुए लक्ष्मीश्री इन्वेस्टमेंट एंड सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड अंशुल जैन ने कहा- बैंक ने लोन और एडवांस, कंज्यूमर डिपॉजिट और ष्ट्र (चालू खाता बचत खाता) शेष में महत्वपूर्ण विस्तार दर्ज किया। यह शेयर के लिए अच्छभ् बात है।

अगले सप्ताह इन 6 शेयरों पर लगा सकते हैं दांव, कीमत 100 से भी है कम, एक्सपर्ट दे रहे खरीदने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप अगले सप्ताह बाजार में कम दाम के शेयर पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर हो सकती है। आज हम आपको 100 से कम दाम के शेयर के बारे में बता रहे हैं जिसे एक्सपर्ट अगले सप्ताह खरीदने की सलाह दे रहे हैं।

यस बैंक शेयर- सुगंधा सचदेवा ने यस बैंक के शेयर को सोमवार को 19.40 से 19.60 के बीच खरीदने की सलाह दी है। इसका टारगेट प्राइस 21.20 रखा है। स्टॉप लॉस 18.70 है।

आरटेक सोलोनिक्स शेयर- सुगंधा सचदेवा ने आरटेक सोलोनिक्स के शेयर को गिरावट पर 88.50 पर खरीदने की सलाह दी है। इसका टारगेट प्राइस 94 और स्टॉप लॉस 86.40 रखा है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक शेयर- महेश एम ओझा के मुताबिक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के स्टॉक को 64 से 65.50 पर खरीदने की सलाह दी है। इसका टारगेट प्राइस 68, 72, 75 और 78 है और स्टॉप लॉस 62 रखा है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयर- महेश एम ओझा ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयर को 54 से 55 के बीच खरीदने की सलाह दी है। इसका टारगेट प्राइस 58.50, 62, 65 और 68 दिया है और स्टॉप लॉस 52 है।

मनकसिया स्टील्स शेयर- अंशुल जैन ने मनकसिया स्टील्स के शेयर को 62.40 पर खरीदने की सलाह दी है। इसका टारगेट 65 और स्टॉप लॉस 60 है।

एएमडी इंडस्ट्रीज शेयर- अंशुल जैन ने एएमडी इंडस्ट्रीज के शेयर पर 66.50 पर खरीदने की सलाह दी है। इसका टारगेट प्राइस 70.50 और स्टॉप लॉस 64.50 है।

मुकेश अंबानी की रिलायंस ने 3 बिलियन डॉलर का किया इंतजाम, 11 बैंकों ने दिया है लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 11 बैंकों के एक कंसोर्टियम से 3 बिलियन डॉलर जुटाए हैं। यह पिछले दो वर्षों में रिलायंस का सबसे बड़ा बॉरोइंग डील है। द इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले महीने इस 5 वर्षीय लोन को लेने की डील फाइनल हुई थी। यह तीन महीने की सिक्योर ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट (स्हस्नक्र) से 120 बेसिस प्वाइंट अधिक पर ब्याज पर लिया गया है। इसमें 450 मिलियन डॉलर जापानी येन में लिया गया था। बता दें कि दिसंबर में तीन महीने की स्हस्नक्र रेट लगभग 4.80 प्रतिशत थी। इसके अलावा 120 बेसिस प्वाइंट के साथ लोन पर ब्याज लगभग 6 प्रतिशत है। 3 बिलियन डॉलर का लोन मुख्य रूप से 2025 में मैच्योर होने वाले मौजूदा डेट को री-फाइनेंस करने के लिए है।

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि कंपनी ने पहले ही लोन में से 700 मिलियन डॉलर का उपयोग कर लिया है और आवश्यकतानुसार चालू तिमाही में और अधिक फंड जुटाने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस तिमाही के अंत में और अधिक बैंकों के सिंडिकेशन में शामिल होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार की चाल रहेगी सुस्त या इस हफ्ते दिखेगी तेजी, जानें एक्सपर्ट्स क्या लगा रहें अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इस सप्ताह गुरुवार से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ तिमाही नतीजों का सीजन शुरू होने जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट्स- स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के सीनियर एक्सपर्ट रिसर्च प्रवेश गौर ने कहा, ''चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजों की शुरुआत इसी सप्ताह होने जा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस और टाटा एलेक्सी बृहस्पतिवार यानी नौ जनवरी को अपनी वित्तीय नतीजों की घोषणा करेंगी। निवेशकों की निगाह व्यक्तिगत शेयरों के प्रदर्शन पर रहेगी।''

तिमाही नतीजों पर रहेगी नजर

उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजों के बाद बाजार का ध्यान आगामी आम बजट और डोनाल्ड ट्रंप 2.0 प्रशासन के नीतिगत निर्णयों पर रहेगा। गौर ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध बिकवाल रहे हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लिवाल बने हुए हैं। एफआईआई और डीआईआई के बीच इस तरह का 'संघर्ष' आगे भी जारी रहेगा और यह इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ÷नए साल के दूसरे सप्ताह को देखते हुए कई प्रमुख घटनाक्रम बाजार की धारणा प्रभावित कर सकते हैं।

गजब के निकले ये शेयर, सालभर में ही कर दिया मालामाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक हैं जिसने अपने निवेशकों को कम समय में ही तगड़ा रिटर्न दिया है। ये शेयर पिछले कई सालों से निवेशकों को मालामाल कर रहा है। इन सभी मल्टीबैगर्स का नेट प्रॉफिट भी FY24 में दोगुना से अधिक हो गया है। आज हम आपको ऐसे ही 10 शेयर के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने सालभर में शानदार रिटर्न दिया।

शक्ति पंप्स- शक्ति पंप्स के शेयरों ने 2023 और 2024 दोनों में शानदार प्रदर्शन किया है। जबकि वाटर कंपनी का स्टॉक 2024 में छह गुना से अधिक बढ़ गया। स्टॉक ने 2023 में 151त्न का रिटर्न भी दिया था। 2024 में इस शेयर की कीमत 170% तक का रिटर्न दिया है। कंपनी का शुद्ध लाभ FY22 और FY24 के बीच 23% की चक्रवृद्धि दर से बढ़ा, उसी अवधि के दौरान राजस्व में 14% की वृद्धि हुई।

वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज- वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का स्टॉक निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सहरिया परिवार की झोपड़ी पर दबंगों ने चलाया ट्रैक्टर, मुंह पर पेशाब करने का आरोप

गुना । गुना जिले के सिरसी थाना क्षेत्र के ग्राम करीली में बीती रात दबंगों ने एक सहरिया परिवार पर कहर ढा दिया। सर्द में रात करीब दो बजे दो ट्रैक्टरों से पहुंचे 15-20 लोगों ने गहरी नींद में सो रहे सहरिया परिवार की झोपड़ी पर ट्रैक्टर चढ़ा दिए। अचानक हुए हमले से परिवार उठकर अपनी जान बचाते हुए भागा, तो दबंगों ने उन्हें घेर लिया और दो घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट की।

प्रेमबाई पत्नी हरिसिंह सहरिया ने बताया कि बरखेड़ा नहर के पास हमारी जमीन पर बनी झोपड़ी में मेरे अलावा पति हरि सिंह, बेटा सोनू, देवर ज्ञानी सिंह, भतीजा राजू, देवरानी विद्दी बाई सो रहे थे। इसी बीच रात दो बजे गांव के पूर्व सरपंच, उसके दो बेटे और 15-20 रिश्तेदार दो ट्रैक्टरों से आए।उन्होंने ट्रैक्टरों से हमारी 10 बीघा गेहूं की फसल को उजाड़ दिया। झोपड़ी पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। बिजली करंट से हमें मारने के लिए डीपी के पास ले गए, लेकिन बिजली चली जाने से उनके मंसूबे पूरे नहीं हुए। इसके बाद एक दबंग ने हमारे मुंह पर कथित पेशाब की।

रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दी। सुबह पुलिस आई इसके बाद हरि सिंह, ज्ञानी सिंह और राजू को थाने ले गई। दर्द से कराह रही महिला ने बताया कि दबंगों ने हमें घेरकर रातभर मारा। हम लोग खेत में ही पड़े रहे।

पेशाब पिलाने जैसा कुछ मामला नहीं है, मारपीट हुई है। प्रकरण दर्ज कर रहे हैं। एक पक्ष के ज्ञानी सिंह सहरिया और दूसरे पक्ष के इंद्र भान सिंह यादव की शिकायत पर दोनों तरफ से प्रकरण दर्ज किया है। दोनों के बीच जमीन का विवाद है। इंद्रभान करके की महू का निवासी है उसकी जमीन पट्टे की पिता के नाम की बरखेड़ा में है। रात में 2 बजे दोनों पक्ष में झगड़ा होने के बाद कार्रवाई की है। ट्रैक्टर से फसल उजाड़ने की बात सामने आई है।- अभिषेक तिवारी थाना प्रभारी सिरसी

दोनों पक्षों में लंबे समय से जमीनी विवाद चल रहा है। थाना प्रभारी ने सुबह फिर से झगड़ा होने की बात बताई है। पेशाब पिलाने और करंट लगाकर मारने की बात में पता करता हूं। विवाद को सुलझाने के लिए तहसीलदार को भी पत्र लिखा था पर अभी तक निराकरण नहीं हुआ है। दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति को भी कुल्हाड़ी से चोट आई है। क्रास मामला दर्ज किया है। मैं मौके पर ही जा रहा हूं, सहरिया पक्ष के फरियादी ने आवेदन में पेशाब पिलाने जैसा कोई जिक्र नहीं किया, अब अगर कोई बात है तो मैं पता करता हूं।

- विवेक अष्ठाना, एसडीओपी गुना

ग्वालियर में स्कूलों की छुट्टी, 31 जनवरी तक बदला समय

ग्वालियर। ग्वालियर में कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिला प्रशासन ने नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए 6 जनवरी को अवकाश घोषित किया है। 7 जनवरी से 31 जनवरी तक स्कूलों का समय बदलकर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक कर दिया गया है। यह आदेश सरकारी और गैर-सरकारी सभी स्कूलों, आईसीएससी और सीबीएसई स्कूलों पर लागू होगा।

कलेक्टर रुचिका चौहान ने जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार को निर्देशित किया, जिसके बाद यह आदेश जारी किया गया। आदेश में यह भी उल्लेख है कि परीक्षाएं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेंगी। इससे पहले, 5 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश के चलते स्कूल बंद थे।स्कूलों के समय में बदलाव बच्चों को ठंड से बचाने के उद्देश्य से लिए गए इस निर्णय के तहत स्कूलों के समय में बदलाव कर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। प्रशासन ने सभी स्कूलों को आदेश का पालन करने के निर्देश दिए हैं। यह निर्णय जिले में बढ़ती ठंड और गिरते पारे को देखते हुए लिया गया है, जिससे बच्चों को शीतलहर से बचाया जा सके।

10वीं के ज्यादातर छात्र पूछ रहे, इस बार बेस्ट ऑफ फाइव लागू रहेगा या नहीं

भोपाल । मध्य प्रदेश बोर्ड 10वीं व 12वीं की परीक्षा में करीब डेढ़ महीने का समय बाकी है। ऐसे में पास होने के लिए कैसे समय-प्रबंधन कर तैयारी करें, वेबसाइट पर अपलोड सैंपल पेपर से तैयारी करने से पास हो सकते हैं, प्रश्नपत्र बदले हुए पैटर्न पर आयोजित हो रही है तो तैयारी कैसे करें। वहीं 10वीं के अधिकतर विद्यार्थी एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि इस वर्ष बेस्ट ऑफ फाइव लागू रहेगा या नहीं।

कुछ इस तरह के सवाल माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की हेल्पलाइन में विद्यार्थी पूछ रहे हैं। 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से आयोजित होने वाली है। ऐसे में माशिमं की हेल्पलाइन में हर दिन करीब 400 फोन आ रहे हैं।पिछले साल करीब डेढ़ लाख काल आए हैं। विद्यार्थियों द्वारा हेल्पलाइन में फोन की संख्या बढ़ गई है। इसमें 90 फीसद से अधिक विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी, सभी विषयों में पास होने के लिए कार्ययोजना कैसे बनाएं।इस संबंध में सवाल पूछ रहे हैं।

काउंसलर का कहना है कि बेस्ट ऑफ फाइव को पहले समाप्त करने की घोषणा की गई थी, लेकिन अब फिर से इसे लागू करने का आदेश जारी किया गया है। अब परीक्षा में कम समय है। ऐसे में विद्यार्थियों को परीक्षा का तनाव अधिक हो रहा है। इससे निपटने के लिए काउंसलिंग की जा रही है।

माशिमं के हेल्पलाइन नंबर-18002330175 पर विद्यार्थी प्रतिदिन सुबह आठ से रात आठ बजे तक फोन कर काउंसलर और विषय विशेषज्ञ से सवाल पूछ सकते हैं। यह हेल्पलाइन सेवा एक जनवरी से शुरू की गई है, जो दिसंबर तक संचालित रहेगी।विद्यार्थियों की काउंसलिंग की जा रही हैहेल्पलाइन की काउंसलर कविता चौबे ने बताया कि 10वीं के विद्यार्थियों का एक ही सवाल है कि इस साल बेस्ट आफ फाइव लागू रहेगा या नहीं। उन्हें जानकारी दी जा रही है कि बेस्ट आफ फाइव लागू रहेगा। वहीं विद्यार्थियों का यह सवाल भी है कि अच्छे अंक लाने के लिए तैयारी कैसे करें। विद्यार्थियों की काउंसलिंग की जा रही है।

उन्हें समय प्रबंधन से लेकर तनाव कम करने और परीक्षा की तैयारी करने के बारे में बताया जा रहा है। कई विद्यार्थी इंटरनेट मीडिया की आदत से कैसे बचें, यह सवाल भी पूछ रहे हैं । विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान मोबाइल और इंटरनेट मीडिया से बचने के उपाय बताए जा रहे हैं।

कोहरे के कारण दिल्ली से भोपाल आने वाले ट्रेन 18 घंटे लेट

भोपाल । शनिवार को कोहरे के कारण दिल्ली से आने वाली कई प्रमुख ट्रेनें अपने निर्धारित समय से एक से साढ़े नौ घंटे देरी से भोपाल पहुंचीं। इनमें दुरंतो एक्सप्रेस, केरला एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें शामिल थीं।

दुरंतो एक्सप्रेस करीब 18.5 घंटे, जबकि केरला एक्सप्रेस 11.51 घंटे की देरी से आई। इसके अलावा, भोपाल स्टेशन पर दिल्ली से आने वाली श्रीधाम एक्सप्रेस, मालवा एक्सप्रेस, भोपाल एक्सप्रेस और शताब्दी एक्सप्रेस सहित कई अन्य ट्रेनें पिछले कुछ दिनों से लगातार देरी से आ रही हैं।इस देरी के कारण यात्रियों को खाने-पीने के साथ-साथ सर्दी से भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। खासकर छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को अधिक कठिनाई हो रही है।

ऑटो ड्राइवर द्वारा दो से तीन गुना अधिक किराया वसूली

जहां एक ओर ट्रेनें देरी से आ रही हैं, वहीं भोपाल स्टेशन पर देरी से आने वाली ट्रेनों के यात्रियों को आटो और टैक्सी चालकों की ओर से भी समस्या का सामना करना पड़ा। शाम और रात के समय जब ट्रेनें देर रात 12 बजे के बाद स्टेशन पहुंच रही हैं, तब आटो-टैक्सी चालक यात्रियों से दो से तीन गुना तक अधिक किराया वसूल रहे हैं। इस वजह से यात्रियों को अतिरिक्त खर्चों का सामना करना पड़ा।

यह ट्रेनें जो देरी से आई

12286 हजरत निजामुद्दीन-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस 18.29 घंटे देरी से आई।

12626 केरला एक्सप्रेस 11.51 घंटे देरी से आई।

11058 अमृतसर एक्सप्रेस 7.23 घंटे देरी से आई।

12722 दक्षिण एक्सप्रेस 8.07 घंटे देरी से आई।

12920 मालवा एक्सप्रेस 11.12 घंटे देरी से आई।

12628 कर्नाटका एक्सप्रेस 11.00 घंटे देरी से आई।

12622 तमिलनाडु एक्सप्रेस 8.26 घंटे देरी से आई।

20806 एपी एक्सप्रेस 10.04 घंटे देरी से आई।

22692 बैंगलोर राजधानी एक्सप्रेस 3.21 घंटे देरी से आई।

12156 भोपाल एक्सप्रेस 6.40 मिनट देरी से आई।

12191 निजामुद्दीन जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 3.40 घंटे देरी से आई।

22222 सीएसएमटी राजधानी 6.13 घंटे देरी से आई।

18238 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस 4ः00 घंटे लेट आई।

तत्कालीन परिवहन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने की थी सौरभ की सिफारिश

ग्वालियर। काली कमाई के कुबेर परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को परिवहन विभाग में आरक्षक बनाने की सिफारिश खुद तत्कालीन परिवहन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने की थी। तत्कालीन परिवहन आयुक्त ने नोटशीट पर लिखा भी था कि अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण में सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाना चाहिए, सौरभ शर्मा की नियुक्ति का आदेश जारी किया जाए।

यह टीप तत्कालीन परिवहन आयुक्त शैलेंद्र श्रीवास्तव ने तत्कालीन अपर आयुक्त परिवहन आरके जैन की आपत्ति के बाद भी लिखी थी। आरके जैन ने नियमों का हवाला देकर तृतीय वर्ग श्रेणी में नियुक्ति को लेकर नियम कायदों की जानकारी मंगवाने के लिए लिखा था।सौरभ शर्मा के भाई और मां पर झूठा शपथ-पत्र देने का आरोप

सौरभ शर्मा मामले में साथी चार आरक्षकों के खिलाफ समन जारी हो गया है। साथ ही सौरभ शर्मा की नियुक्ति के मामले में सौरभ शर्मा ने खुद व मां के अलावा भाई का भी शपथ पत्र दिया था जो छत्तीसगढ़ में ईओडब्ल्यू में पदस्थ है। इस शपथ पत्र में सौरभ के भाई सचिन शर्मा ने लिखा है कि वह निजी नौकरी करता है। बता दें कि परिवहन विभाग के पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा के मामले ने पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा दिया है।

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री जोशी एवं प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने ओंकारेश्वर में किया फ्लोटिंग सोलर परियोजना का निरीक्षण

इंदौर। ओम्कारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना मध्य प्रदेश की प्रथम, देश की सबसे बड़ी तथा विश्व की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं में से एक है। इस फ्लोटिंग सोलर परियोजना का शनिवार को केन्द्रीय मंत्री उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रहलाद जोशी एवं मध्यप्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्री जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक क्रांति हो रही है। इस क्षेत्र में भारत विश्व गुरु बन रहा है। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर में स्थित फ्लोटिंग सोलर प्लांट से अभी 278 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक अनोखा प्रोजेक्ट है और देश में कई जगह ये किया जा सकता है। देश में इस क्षेत्र में 90 गीगावॉट की संभावना है और इसको बढ़ावा देने के लिए पूर्ण प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विशेषज्ञों को यहाँ आकर देखना चाहिए और जहां संभावना है इस तरह के प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू करना चाहिए, जिससे अत्यधिक मात्रा में बिजली का उत्पादन हो सके। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावॉट और 2047 तक 1800 गीगावॉट बिजली का उत्पादन करना है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अपतटीय पवन,ज्वारीय ऊर्जा,भू-तापीय ऊर्जा आदि के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। इस दौरान प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना का निर्माण मध्यप्रदेश को विश्वपटल पर नवाचार एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में स्थापित करेगा। केन्द्रीय मंत्री श्री प्रहलाद जोशी एवं मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में विश्व प्रसिद्ध ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की।

उन्होंने बाबा ओंकार से देश की जनता की सुख, समृद्धि एवं तरक्की की कामना की। इसके अलावा उन्होंने ममलेश्वर मंदिर में दर्शन कर जलाभिषेक किया।

इस दौरान सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, ए.सी.एस. श्री मनु श्रीवास्तव, कलेक्टर श्री अनूप

पशु पालन एवं डेयरी विभाग इंदौर द्वारा समय-सीमा में हितग्राहियों को अनुदान स्वीकृत

अच्छे कार्य के लिये पशु चिकित्सक सम्मानित भी हुए

इंदौर। पशु पालन एवं डेयरी विभाग इंदौर द्वारा विगत वर्ष की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया है कि विभाग की समस्त योजनाओं का संचालन व क्रियान्वयन सुचारू से किया जा रहा है तथा हितग्राहियों को अनुदान स्वीकृत उन्हें स्वावलंबी बनाया जा रहा है। सीमा समय में अनुदान स्वीकार किये जा रहे है। पशु चिकित्सा के क्षेत्र में अच्छे कार्य के लिये विभाग के पशु चिकित्सक सम्मानित भी हुए है। अगले 5 वर्ष की प्रस्तावित योजनाओं पर भी बीते वर्ष की तरह अमल किया जायेगा।

उप संचालक पशु चिकित्सा ने अनुदान स्वीकृति की जानकारी देते हुए बताया है कि समुन्नत पशु प्रजनन योजना के अनेक हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। प्रत्येक हितग्राही को 45 हजार रूपये का अनुदान स्वीकार किया गया है। इसी के अंतर्गत आदिवासी उप योजना में 2 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। प्रत्येक को 45 हजार रूपये का अनुदान स्वीकार किया गया है। इसी प्रकार अनुसूचित जाति उप योजना में भी हितग्राहियों को 45 हजार रूपये का अनुदान स्वीकार हुआ है।

कुक्कुट इकाई प्रधान सामान्य योजना में 20 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। प्रत्येक हितग्राही को अनुदान व अंशदान स्वीकृत किये गये है। साथ ही इसी में जनजाति उप योजना के अंतर्गत 20 हितग्राही लाभान्वित हुए है। अनुसूचित जाति उप योजना में भी 5 हितग्राहियों को उपरोक्तानुसार लाभान्वित किया गया है।

कड़कनाथ कुक्कुट इकाई प्रदाय सामान्य योजना में 25 हितग्राही लाभान्वित हुए है। प्रत्येक हितग्राही को अनुदान व अंशदान सहित 4 हजार 400 रूपये स्वीकृत किये गये है। इसी योजना के अंतर्गत आदिवासी उप योजना में भी 25 हितग्राही लाभान्वित हुए है। जिसमें प्रत्येक को उपरोक्तानुसार लाभान्वित किया गया है। इसी में विशेष घटक योजना में 10 हितग्राहियों को उपरोक्तानसुार लाभान्वित किया गया है।

बैंक ऋण एवं अनुदान पर बकरी इकाई प्रदान योजना में 5 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं, जिनमें दो हितग्राहियों को 30 हजार 982 रूपये का अनुदान स्वीकृत हुआ है। शेष तीन हितग्राहियों को 46 हजार 474 रूपये का अनुदान स्वीकृत किया गया है।

आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना के अंतर्गत सामान्य श्रेणी में 22 हितग्राही लाभान्वित हुए है। 19 हितग्राहियों में प्रत्येक को रूपये 1.50 लाख का अनुदान स्वीकृत हुआ है। तथा 3 हितग्राहियों में प्रत्येक के रूपये 1.06 लाख का अनुदान स्वीकृत हुआ है। चलित पशु चिकित्सा इकाई योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना राष्ट्रीय पशु धन मिशन योजना के अंतर्गत पशु पालकों को घर पहुंच सेवा के साथ 1.5 प्रतिशत ब्याजदर की छूट पर किसानों को ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। विकास की अन्य गतिविधियों से पुशपालकों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

दिव्यांगजन की सेवा और कल्याण आंतरिक सुख का विषय - मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दिव्यांगजन की सेवा और कल्याण आंतरिक सुख का विषय है। उनकी सेवा से प्राप्त अनुभव और अनुभूति अलौकिक है। दिव्यांगजन के साथ समरसता के व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए समाज में उनके प्रति विद्यमान दृष्टिदोष को दूर करना आवश्यक है। प्रत्येक दिव्यांग व्यक्ति में कोई न कोई प्रतिभा अवश्य होती है, उसे चिन्हित कर निखारने और प्रोत्साहित करने से दिव्यांगजन की ऊर्जा का उपयोग समाज हित में किया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की संवेदनशीलता के परिणामस्वरूप ही विकलांग जैसे कटु अनुभूति देने वाले शब्द को बदलकर दिव्यांग का सम्मानजनक संबोधन प्रदान किया

गया। दिव्यांगता का सामना कर रहे व्यक्ति वास्तव में चुनौतियों को स्वीकार करने वाले सच्चे वीर हैं। उनकी सामर्थ्य को स्वीकारना और सम्मान देना समाज का दायित्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अस्थि बाधित दिव्यांगजन को ई-साइकिल वितरित करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल ÷सक्षम÷ की पहल पर भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के सहयोग से संचालनालय सामाजिक न्याय विभाग भोपाल के सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में ई-साइकिल वितरित की।

विश्व ब्रेल दिवस पर किया लुइस ब्रेल का स्मरण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने विश्व ब्रेल दिवस (4 जनवरी) के अवसर पर ब्रेल लिपि विकसित करने वाले लुइस ब्रेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया।

अद्वैत वेदान्त दर्शन के अध्ययन के लिए इस वर्ष 20 शिविर

इंदौर। आचार्य शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन और शिक्षाओं से युवाओं को परिष्कृत और सुसंस्कृत बनाने के लिए आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास वर्ष-2025 में 20 अद्वैत जागरण युवा शिविर आयोजित करेगा। 10 आचार्यों की दिव्य सान्निध्य में देश-विदेश के 18 वर्ष से 40 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभाशाली युवा अद्वैत वेदान्त अध्ययन कर सकेंगे। शिविर में शामिल होने के लिए इच्छुक युवा www.oneness.org.in पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं। वर्ष-2025 का प्रथम शिविर 17 से 26 जनवरी तक आयोजित होगा। इसमें चिन्मय गार्डन, कोयम्बटूर, तमिलनाडु की स्वामिनी विमलानंद सरस्वती मनीषा पंचकम के माध्यम से युवाओं को अद्वैत से जोड़ेंगी। इसके बाद 1 से 10 फरवरी एवं 1 अगस्त से 10 अगस्त तक आर्ष विद्या गुरुकुलम्, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में स्वामी परमात्मानंद सरस्वती तत्वबोध पर, 8 से 17 फरवरी तक श्री श्री ओंकारेश्वर आश्रम, मध्यप्रदेश में स्वामी प्रबुद्धानंद सरस्वती तत्वबोध पर, 15 से 24 फरवरी एवं 22 जून से 1 जुलाई तक अद्वैत आश्रम, मायावती, उत्तराखंड में स्वामी शुद्धिदानंद विवेक चूड़ामणि पर, 01 से 10 अप्रैल तक चिन्मय तपोवन, सिद्धबाड़ी, हिमाचल प्रदेश में स्वामी मित्रानंद सरस्वती आदि।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक ने किया आलीराजपुर जिले का भ्रमण

कृषि प्रसार कार्यों को देखा, दिये आवश्यक सुझाव

इंदौर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक डॉ.आर.के.सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र आलीराजपुर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख डॉ.आर.के.यादव एवं अन्य वैज्ञानिकों के साथ जिले के ग्राम साकड़ी का दौरा किया। जहां उन्होंने किसानों से मोटे एवं अन्य फसलों के उत्पादन एवं उनमें आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की एवं आवश्यक सुझाव देने के साथ-साथ तकनीकी निर्देश भी दिये। इस दौरान उन्होंने मोटे अनाज से बनाये गये व्यंजन के बारे में चर्चा की एवं उनमें ओर कैसे सुधार किया जा सकता है, इस पर मार्गदर्शन दिया। अपने भ्रमण के दौरान डॉ.आर.के.सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र की विभिन्न प्रदर्शन इकाईयों जैसे-गिर गाय पालन, बकरी पालन, कड़कनाथ मुर्गी पालन, शेड-नेट हाउस, फसल संग्रहालय, औषधीय पौधों का बगीचा, आम, अमरूद, चीकू, सीताफल, पेशन फरुट, ड्रेगन फरूट का बगीचा, सब्जियों की मल्चिंग ड्रिप द्वारा की जा रही खेती, चना एवं मसूर के प्रजनक बीज उत्पादन के प्रक्षेत्र, भंडार गृह, केंचुआं खाद उत्पादन इकाई, तालाब आदि इकाईयों का भ्रमण कर इकाईयों के अच्छे व्यवस्थापन की भूरि-भूरि सराहना की। उन्होंने तालाब के किनारे अच्छे लाभप्रद पौधों का रोपण कर उसमें टूरिज्म की व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र में कृषकों हेतु कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में लगभग 60 कृषक उपस्थित थे। डॉ.सिंह ने संगोष्ठी के प्रारम्भ में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख डॉ.आर.के.यादव ने जिले की भौगोलिक एवं फसलों से आच्छादित क्षेत्र आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही जिले की साक्षरता दर कम होने से उन्नत कृषि तकनीकी के प्रचार प्रसार में आने वाली कठिनाईयों के बारे में अवगत कराया।

भारत सरकार की योजनाओं पर कृषकों को दी गई जानकारी- डॉ.आर.के.सिंह ने अपने उद्बोधन में मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर वर्षा जल का संरक्षण कर रबी मौसम की फसलों के लिए जल का उपयोग करना, साथ ही ड्रिप मल्चिंग एवं स्प्रिंकलर पद्धति को अपनाकर सब्जी उत्पादन करना, सब्जियों के बीज वितरित कर किसान के खेतों पर प्रदर्शन लगाना एवं उसमें रिजबेड पद्धति के साथ मल्चिंग लगाकर खेती की उन्नत तकनीकी का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फसलों के उत्पादन एवं नवीन उद्योग लगाने का सुझाव भी दिया। फल वृक्षों को खेतों के मेड़ पर लगाने से अतिरिक्त आय प्राप्त करने एवं नवीन योजनाओं पर सरकार द्वारा जो कार्य किये रहे हैं, इसकी जानकारी दी। डॉ.सिंह द्वारा आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत तिलहन उत्पादन की उन्नत तकनीकी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। तिलहन फसल के रूप में सरसों की प्रजाति रूकमणी का उत्पादन कर बाजार में विक्रय से पूर्व इस उन्नत किस्म के बीज को संरक्षित कर अगले 3 वर्षों तक उस बीज का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। संगोष्ठी में किसान कल्याण एवं कृषि विभाग के उप संचालक श्री एस.एस.चौहान, परियोजना संचालक आत्मा श्री डी.एस.मोर्य, पशुपालन विभाग से डॉ. आर.एल.बेरवा, डी.एस.सी संस्था से श्री मनीष गिरधाणी, श्री विजेन्द्र पंवार एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ.एम.के.गुप्ता, श्री सुदीप तोमर, श्री मुकेश बेनल, श्री राजेश पासी, श्री सुनील वाणी, श्री उमेश कनेश आदि उपस्थित थे।

जय श्री महाकाल ...

अवन्तिकायाम विहित्तारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्शनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने पुलिस बैंड की धुन का भी आनंद लिया

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव रविवार को उज्जैन प्रवास के दौरान राहगीरी आनंद उत्सव में सम्मिलित हुए और लोगों को योगा, सुबह सुबह भ्रमण और व्यायाम करने की बात भी कही। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर आनंद उत्सव राहगीरी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री विवेक जोशी, श्री बहादुर सिंह बोर मुंडला और अन्य जन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव परंपरा अनुसार कोठी रोड पर आयोजित होने वाली आनंद उत्सव राहगीरी में सम्मिलित हुए। उज्जैन के लोगों में मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर जो चरम उत्साह था वह दिखाई दिया। बच्चे, बूढ़े, जवान ,और बहनों सभी ने मुख्यमंत्री के साथ फोटो खींचवाने के लिए

उत्साह दिखाया। लोगों ने मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर स्वागत के लिए पलक पावड़े बिछाए और मुख्यमंत्री ने भी आनंद के इस उत्सव में सभी को प्रोत्साहित कर उत्साह वर्धन किया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा की यदि आपका स्वास्थ अच्छा है और परिवार में सभी स्वस्थ हैं तो इससे बड़ा कोई सुख नहीं है। आप सभी को यह देखना चाहिए कि हम सभी स्वस्थ रहें और उसके लिए जो भी प्रयास कर सकते हैं, करें।

मुख्यमंत्री ने मंच से जनता से आह्वान किया कि बच्चों के साथ परिवार के युवा साथी भी इस राहगीरी में निकले और प्रतिदिन इसका अनुसरण भी करें। जीवन में बेहतर स्वास्थ्य से अच्छा कुछ नहीं हो सकता है। जीवन में अच्छा स्वास्थ्य और निरोगी काया यह सबसे बड़ा सुख है इसके लिए आप लगातार प्रयास करते रहें, कार्य करते रहें, क्रियाशील रहे और स्वयं को परिवार के साथ स्वस्थ और सुखी बनाए रखें।

मुख्यमंत्री के द्वारा उज्जैन मे आनंद उत्सव को लगातार बनाए रखने के लिए यहां की जनता को धन्यवाद भी दिया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोड़े की सवारी भी की और लोगों का अभिवादन भी स्वीकार किया मुख्यमंत्री ने 40 से अधिक मंचों पर जाकर लोगों का अभिनंदन किया, इस अवसर पर संस्थाओं के द्वारा मुख्यमंत्री को साफा, माला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक मंचों पर पहुंचकर लोगों का अभिवादन भी स्वीकार किया। मुख्यमंत्री के द्वारा गंगा तेरा पानी अमृत, मां शिप्रा तेरा पानी अमृत भजन भी गया।

इसी के साथ जय कन्हैया लाल के उदघोष लगाए गए , मुख्यमंत्री डॉ यादव ने संस्कृति मंचों की प्रस्तुतियो का भी अवलोकन किया। अनेक मंचों से मुख्यमंत्री का फूल मालाओं से स्वागत कर अभिनंदन किया गया।

विद्यार्थियों को बताए मैनेजमेंट के प्रकार, समझाये उससे होने वाले फायदे

स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत हुआ प्रबंधन कौशल पर व्याख्यान

उज्जैन। एम. एम. रुईया शासकीय संस्कृत महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्रबंधन कौशल पर व्याख्यान का आयोजित किया गया।

जिसमें इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ मनेजमेंट एंड रिसर्च कॉलेज से पधारी डॉ. जूही जोशी ने विद्यार्थियों को मैनेजमेंट के प्रकार एवं उससे होने वाले फायदे को अनेको उदाहरणों द्वारा समझाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को मैनेजमेंट स्किल को अपनाते हुए विद्यार्थी किस प्रकार अपने जीवन में कठिन से कठिन लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं, विषय को समझाया। संचालन यश शर्मा द्वारा किया गया। एवं आभार डॉ. महिमा शास्त्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. श्रेयस कोरान्ने, डॉ. डी. एस. अग्निहोत्री, डॉ. सदानंद त्रिपाठी, डॉ. भवानी शंकर भारती, डॉ. मनीष पवार, रमा शंकर कोल, सूरित राम ध्रुव, विद्यासागर पाण्डेय, शिवांश शुक्ला, कंचन तिलवानी, आदित्य पण्ड्या, शैलेश दुबे एवं अन्य महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ अपने भविष्य को उज्जवल बनाने हेतु सतत प्रयास करने का निश्चय लिया गया।

कलेक्टर ने एस पी को पंजा कुश्ती में मात दी... मुख्यमंत्री ने पगड़ी बदल किया....

उज्जैन। राहगीरी के अवसर पर स्वस्थ संसार व्यायाम केंद्र द्वारा पंजा कुश्ती का मंच सजाया गया। कलेक्टर नीरज सिंह एवं एस पी प्रदीप शर्मा ने शक्ति का प्रदर्शन किया। दो मिनट तक चले पंजा कुश्ती के मुकाबले में दुबले पतले से कलेक्टर नीरज सिंह ने बाहुबली पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा को मात दी। तालियों की ध्वनि एवं कलरव ने दोनों के उत्साह को बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शक्ति के मंच पर आए और स्वामी मुस्कुराके की तिरंगा पगड़ी से स्वयं की मारवाड़ी पगड़ी बदल कर धारण कर ली।

सेवाधाम आश्रम की बेटी परी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कंधे पर बैठाया

उज्जैन। राहगिरी 2025 में अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम, उज्जैन के विशेष बच्चों ने लाठी-काठी, लेजम और पावली की अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दी, दृष्टि बाधित भोली अग्रवाल और बहुदिव्यांग सनी ने अपने गीतों से सबको प्रसन्न किया वहीं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आश्रम के विशेष बच्चों को न केवल प्रोत्साहित किया अपितु आश्रम की बेटी परी को कंधे पर बैठाकर उसका लाठी प्रदर्शन भी देखा।

राहगीरी में कलेक्टर नीरज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने भी बच्चों की हौसला अफजाई की। ये सभी प्रस्तुतियां आश्रम संस्थापक सुधीरभाई के निर्देशन में एवं कांता भाभी, मोनिका, गोरी गोयल, डॉ सचिन गोयल, अनीता गोयल के नेतृत्व में हुई। शैलेंद्र कुमावत के संयोजन के साथ अर्वतिका, रानी, शाहरुख उर्फ राम और सुमित, आकाश का भी विशेष योगदान रहा।

कीर्ति, धैर्य, सुख, समृद्धि, शक्ति, शांति, क्षमता एवं प्रसन्नता जैसे देवीय गुणों की पर्याय हैं कन्याएं- कृष्ण शर्मा

कन्या कौशल शिविर के समापन सत्र में हुआ दंपति सम्मेलन

उज्जैन। कीर्ति, धैर्य, सुख, समृद्धि, शक्ति, शांति, क्षमता एवं प्रसन्नता के पर्याय कन्याएं होती हैं। इनके इसी गुणों के कारण इनका श्रद्धा भाव से पूजन किया जाता है।

यह जानकारी कृष्णा शर्मा प्रांतीय समन्वयक शिक्षा आंदोलन गायत्री परिवार ने माकड़ोन में चल रहे चार दिवसीय जिला स्तरीय कन्या कौशल शिविर के समापन सत्र में दी। आपने बताया कि इन दिनों अनेक प्रकल्प चलाए जा रहे हैं जिनमें डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, प्रोफेसर, सीए आदि बनने के प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहे हैं पर कुशल ग्रहणी बनने के, सुयोग माता बनने के प्रशिक्षणों का अभाव है। इसीलिए एक कन्या कौशल शिविर आयोजित किया गया था।

अंतिम सत्र में कन्याओं के अभिभावकों को दम्पति सम्मेलन के रूप में सफल दाम्पत्य पत्र जीवन के सूत्र देने के लिए आमंत्रित किया गया था। जिससे 35 से अधिक दम्पतियों ने भागीदारी की। इनका मार्गदर्शन करते हुए श्री शर्मा ने बताया कि आप बच्चों के सच्चे मित्र बनकर रहें कितने भी काम बिगड़ जाने पर भी इन्हें स्नेह प्यार से दूसरी ओर मुड़ने का, सुधार करने का अवसर देते रहें।

भागीदारी कर रहीं 197 कन्याओं को यहां शिविर के दौरान दैनिक दिनचर्या को सुव्यवस्थित करने, योग, ध्यान, मंत्र जाप, भोजन बनाने और करने की विधि, वीरांगनाओं की जीवन कथाएं, परीक्षा में अधिकतम अंक कैसे पाएं, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कैसे तैयारी करें आदि जीवनोपयोगी विषयों का प्रारंभिक परिचय कराया गया।

प्रतिभागी कन्याओं ने अपने संस्मरण में बताया कि इस शिविर ने हमें आशा से ज्यादा दिया है। हमें ऐसी आशा नहीं थी कि यह सब हमें यहां बताया जाएगा। हम इसको अपने जीवन में प्रयोग करने का अभ्यास करेंगे।

शिविर समापन पर 8 बहिनों ने अपने मोहल्ले, गांव में बाल संस्कारशाला चलाने का संकल्प लिया। गायत्री परिवार के उज्जैन के उपझोन समन्वयक महेश आचार्य, जिला सामान्य नरेंद्र सिंह सिकरवार, वरिष्ठ गायत्री परिजन देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, राम प्रसाद सरिया, महेश बडिया, निशा धनोतिया ने प्रतिभागी कन्याओं को पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

ऋषि गुरुकुल चिंतामन में साहित्य, ग्रंथ, वितरण

उज्जैन। प्रसिद्ध साहित्यकार, विद्वान प्रो. शैलेन्द्र पाराशर, वरिष्ठ मालवी साहित्यकार शिव चौरसिया, वेद विद्या प्रतिष्ठान के लवी त्यागी, कुंज बिहारी, ऋषि गुरुकुल के परमाचार्य डॉ. देवकरण शर्मा द्वारा वेद पाठी बटुकों को साहित्य ग्रंथ, पाठ्यपुस्तक व अन्य सामग्री वितरित की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर पाराशर द्वारा वेद पाठी बच्चों को सस्वर वेद पाठ की सराहना की एवं कहा कि भारतीय संस्कृति की धरोहर को अक्षुण रखने के लिए इस प्रकार के गुरुकुल आवश्यक है। वेद विद्या प्रतिष्ठान के लवी त्यागी ने कहा कि ऋषि गुरुकुल वास्तव में परमाचार्य के अथक प्रयास से सर्वांगीण रूप से धर्म आध्यात्मिक की प्रगति के लिए एक पीढ़ी तैयार कर रहा है। कुंज बिहारी ने इस अवसर पर कहा कि इस गुरुकुल में बच्चे न सिर्फ वेद अध्ययन कर रहे हैं बल्कि वह भारतीय संस्कृति और भारत के विश्व गुरु बने के सपने को साकार करने की कोशिश में लगे रहे, इसका भरपूर प्रयास किया जा रहा है। समय-समय पर विद्वान ऋषि मुनि राजनेता अधिकारी समाजसेवी एवं साहित्य प्रेमी विभूतियां को आमंत्रित कर इनके मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए गुरुकुल हमेशा प्रतिबद्ध है। अतिथि सम्मान गुरुकुल के व्यवस्थापक सुरेश शर्मा द्वारा किया गया एवं आभार गुरुकुल की प्रबन्ध ट्रस्टी विष्णुदेवी शर्मा ने माना।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com